

Model: Duastro-Kundali-Matching

SrNo: 115-120-105-3261 / 111

Date: 24/01/2024

पुल्लिंग :	लिंग	:	स्त्रीलिंग
31-01/01/1999 :	जन्म तिथि	:	31-01/01/1990
गुरु-शुक्रवार :	दिन	:	रवि-सोमवार
घंटे 01:01:01 :	जन्म समय	:	01:01:01 घंटे
घटी 42:17:04 :	जन्म समय(घटी)	:	42:17:03 घटी
United Kingdom :	देश	:	India
London :	स्थान	:	Delhi
51:30:00 उत्तर :	अक्षांश	:	28:39:00 उत्तर
00:05:00 पश्चिम :	रेखांश	:	77:13:00 पूर्व
00:00:00 पश्चिम :	मध्य रेखांश	:	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:00:20 :	स्थानिक संस्कार	:	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	:	00:00:00 घंटे
08:06:11 :	सूर्योदय	:	07:13:53
16:00:46 :	सूर्यास्त	:	17:34:29
23:50:25 :	चित्रपक्षीय अयनांश	:	23:43:14
कन्या :	लग्न	:	कन्या
बुध :	लग्न लग्नाधिपति	:	बुध
मिथुन :	राशि	:	कुम्भ
बुध :	राशि-स्वामी	:	शनि
मृगशिरा :	नक्षत्र	:	धनिष्ठा
मंगल :	नक्षत्र स्वामी	:	मंगल
3 :	चरण	:	3
शुक्ल :	योग	:	वज्र
वणिज :	करण	:	विष्टि
का-कमल :	जन्म नामाक्षर	:	गू-गुंजन
मकर :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	:	मकर
शूद्र :	वर्ण	:	शूद्र
मानव :	वश्य	:	मानव
सर्प :	योनि	:	सिंह
देव :	गण	:	राक्षस
मध्य :	नाड़ी	:	मध्य
मार्जार :	वर्ग	:	मार्जार

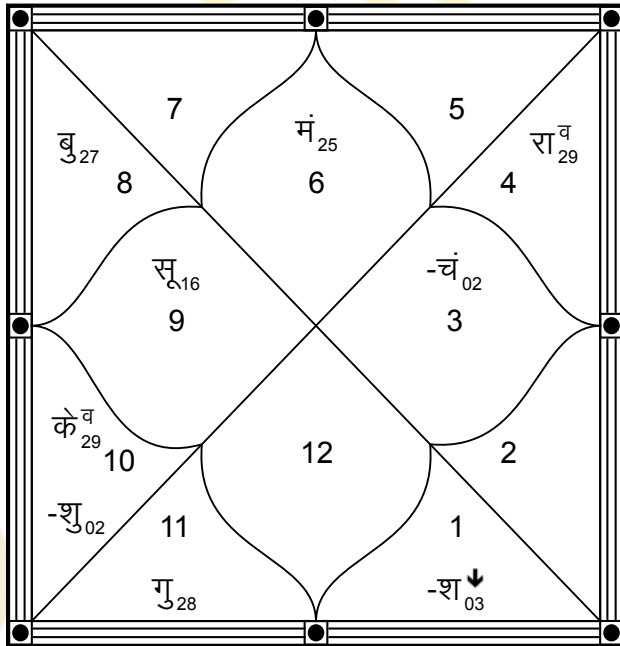
ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल	2वर्ष 6मा 29दि	24:03:39	कन्या	लग्न	कन्या	24:00:40	मंगल 3वर्ष 3मा 25दि
	गुरु	16:18:31	धनु	सूर्य	धनु	16:23:36	
	01/08/2019	01:44:57	मिथु	चंद्र	कुंभ	00:20:33	गुरु
	01/08/2035	24:33:47	कन्या	मंगल	वृश्चि	15:47:46	28/04/2011
गुरु	18/09/2021	27:29:20	वृश्चि	बुध व	मक	02:06:29	गुरु 15/06/2013
शनि	01/04/2024	28:06:23	कुंभ	गुरु व	मिथु	11:31:14	शनि 27/12/2015
बुध	07/07/2026	01:35:44	मक	शुक्र व	मक	12:34:51	बुध 03/04/2018
केतु	13/06/2027	02:55:58	मेष	शनि	धनु	21:51:20	केतु 10/03/2019
शुक्र	11/02/2030	29:01:07	कर्क व	राहु	मक	23:08:08	शुक्र 08/11/2021
सूर्य	01/12/2030	29:01:07	मक व	केतु	कर्क	23:08:08	सूर्य 27/08/2022
चन्द्र	01/04/2032	17:07:08	मक	हर्ष	धनु	12:01:25	चन्द्र 27/12/2023
मंगल	07/03/2033	07:13:12	मक	नेप	धनु	18:17:29	मंगल 02/12/2024
राहु	01/08/2035	15:16:32	वृश्चि	प्लूटो	तुला	23:21:13	राहु 28/04/2027

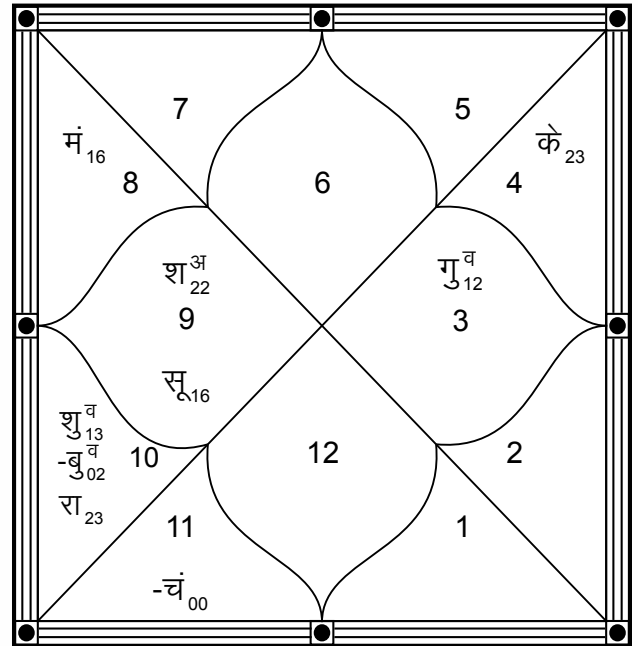
व – वकी स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:25 चित्रपक्षीय अयनांश 23:43:14

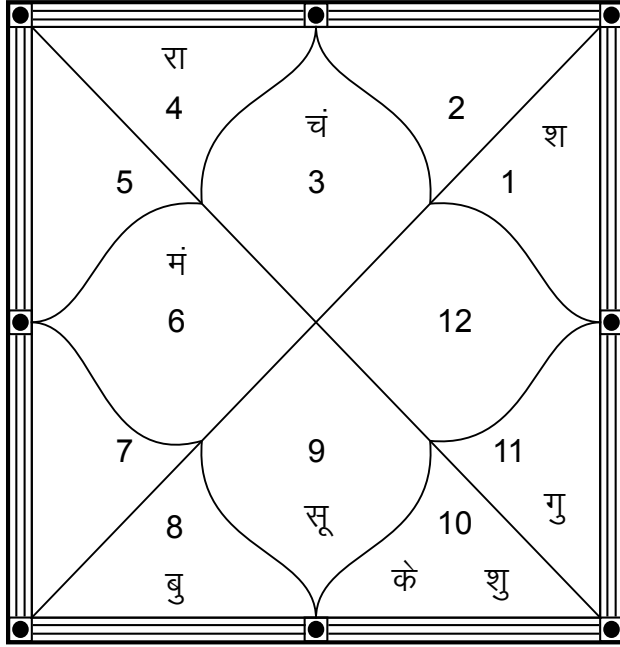
लग्न-चलित



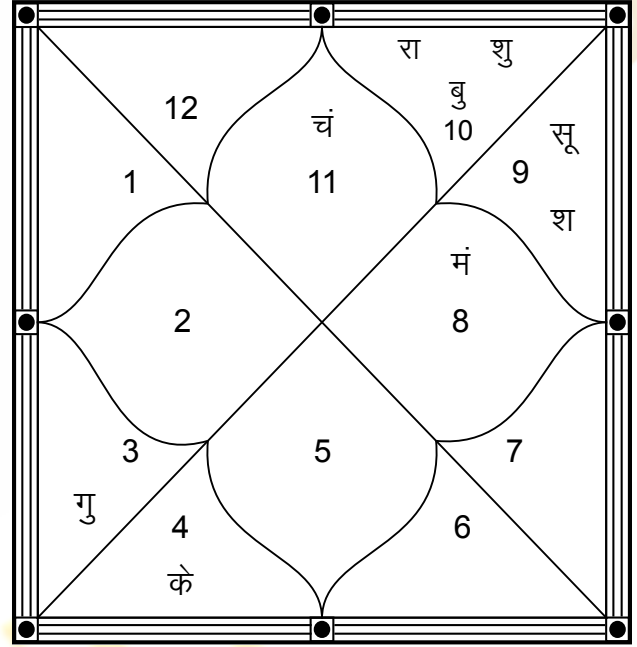
लग्न-चलित



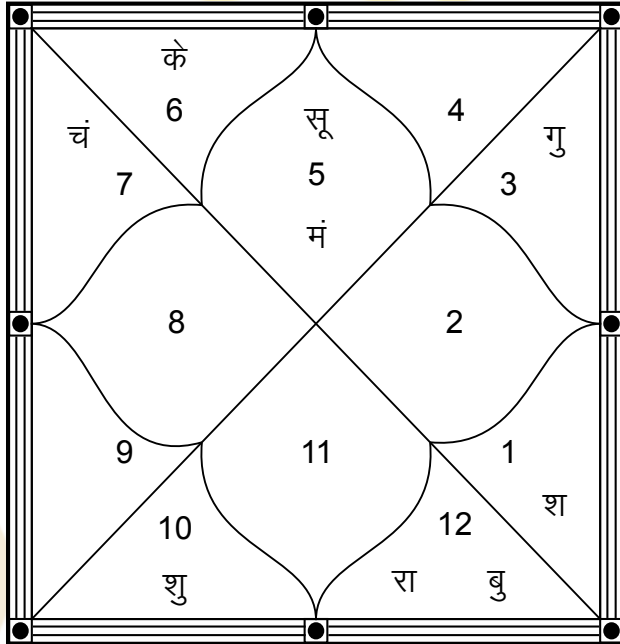
चन्द्र कुंडली



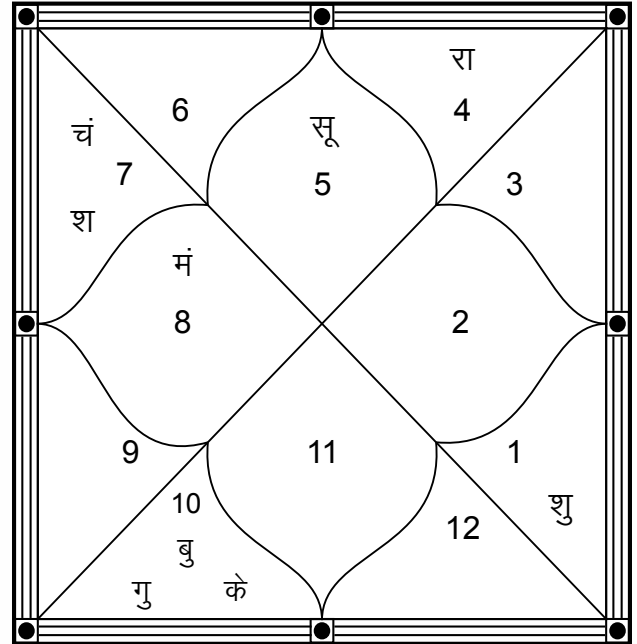
चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



नवमांश कुंडली



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	---	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	---	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	---	भाग्य
योनि	सर्प	सिंह	4	2.00	---	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	---	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	---	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य / संतान
कुल :			36	13.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Duastro Male का नक्षत्र मृगशिरा है।

Duastro Male का वर्ग मार्जार है तथा Duastro Female का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Duastro Male और Duastro Female का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Duastro Male मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Duastro Female मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Duastro Female कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Duastro Male तथा Duastro Female में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

DUASTRO